

डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 23, निष्क्रिय निर्माण

© 2025 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन और बाइबल अनुवाद पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 23 है, निष्क्रिय निर्माण।

इस चर्चा में, हम अनुवाद की एक और कठिनाई, कुछ संचार चुनौतियों के बारे में बात करने जा रहे हैं, जिन्हें हमें दूर करने की आवश्यकता है, और वह है निष्क्रिय निर्माण।

पुराने नियम और नए नियम में हमें बहुत सारे निष्क्रिय निर्माण मिलते हैं, और हमें यह जानना होगा कि उनसे कैसे निपटना है। तो, निष्क्रिय निर्माण क्या है? निष्क्रिय निर्माण एक व्याकरणिक वाक्यांश, एक रूप है, और यह क्रिया का एक रूप है, जहाँ वाक्य का विषय वह नहीं होता जो क्रिया कर रहा होता है, बल्कि वाक्य का विषय वह होता है जो उस पर की गई क्रिया को प्राप्त कर रहा होता है। उदाहरण के लिए, कुत्ते ने जॉन को काट लिया।

हम कह सकते हैं कि जॉन को कुत्ते ने काटा था। यहाँ हम जो कुछ करने की कोशिश करते हैं, उसका एक हिस्सा यह समझना है कि यह वास्तव में एक निष्क्रिय निर्माण है, सक्रिय निर्माण नहीं। दूसरे शब्दों में, क्रिया विषय द्वारा कुछ करने की एक सक्रिय क्रिया है या क्रिया उस व्यक्ति की ओर ध्यान आकर्षित करती है जिसके साथ किया जा रहा है और इसे कहने के लिए दूसरे तरीके का उपयोग करते हुए, जिस व्यक्ति के साथ किया जा रहा है वह इस क्रिया में निष्क्रिय है।

वे, वह या वह, या वे कोई कार्रवाई नहीं करते; यह सिर्फ उनके साथ किया जाता है, जैसा कि इस मामले में, जॉन को कुत्ते ने काट लिया था। इसलिए जब हम इन पर नज़र डालते हैं, तो अपने आप से कहें, क्या यह सक्रिय है या निष्क्रिय? जाहिर है, कुत्ते ने जॉन को काटा; यह एक सीधा-सादा सामान्य वाक्य है। जॉन को कुत्ते ने काटा था।

यह निष्क्रिय होगा क्योंकि कुत्ता ही वह है जो वास्तविक एजेंट है, और हम एजेंट और रोगी शब्दों का उपयोग करते हैं, एजेंट वह है जो इसे कर रहा है और रोगी वह है जो इसे करता है। ठीक है, हड्डियाँ परिसर में दिखाई दे रही थीं। आपको क्या लगता है? क्या यह सक्रिय या निष्क्रिय है? कुछ मायनों में, यह दोनों में से कोई नहीं है, और इसे हम मध्य स्वर कहते हैं।

यह दृश्यता की स्थिति में है। अगर कोई इन्हें देखना चाहे तो इन्हें देखा जा सकता है, लेकिन यह सक्रिय या निष्क्रिय नहीं है। इसलिए, हमें ये शास्त्रों में भी मिलते हैं, लेकिन हम आज मध्यम स्वर, तथाकथित मध्यम स्वर के बारे में बात नहीं करेंगे।

मुझे नहीं पता कि वे इसे मध्य क्यों कहते हैं। शायद इसलिए क्योंकि यह सक्रिय और निष्क्रिय के बीच है, और वे इसे बीच में कहते हैं। लेकिन आप मध्य स्वर शब्द सुनेंगे, और यह इसका एक उदाहरण है।

तो, यह एक अवस्था में है और वास्तव में उस समय कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। ठीक है, उसकी हड्डियों को परिसर में दफनाया गया था। यह स्पष्ट रूप से निष्क्रिय है क्योंकि हड्डियाँ दफनाने का काम नहीं कर रही हैं।

ध्यान दें कि इनमें से कुछ में, हमने एजेंट का उल्लेख किया है, जैसे कि दूसरे में, जॉन को कुत्ते ने काट लिया था। इस मामले में, हम नहीं जानते कि हड्डियों को किसने दफनाया। किसी ने हड्डियों को दफनाया था।

ठीक है, यह एक और है। आदमी एक गहरा गड्ढा खोद रहा है। काफी सक्रिय लग रहा है।

वह काम कर रहा है। बच्चों ने सारे संतरे खा लिए थे। कुछ लोग कहते हैं, ठीक है, यह निष्क्रिय है क्योंकि हमारे पास शब्द था खाया।

लेकिन असल में, बच्चों ने ही खाना खाया। तो, बच्चे एजेंट हैं, और संतरे मरीज हैं। और इसलिए यह अभी भी सक्रिय है, भले ही इसे अलग तरीके से कहा जाता है।

हम इसे पूर्ण पहलू कहते हैं। संतरे तैयार हो गए हैं। तो उन्हें संतरे दिए गए, उन्होंने उन्हें खा लिया, और अब वे खेल रहे हैं।

तो यह अभी भी एक सक्रिय निर्माण है, भले ही यह पूर्ण पहलू, संपूर्ण पहलू में है। ध्वज को सैनिक के नेता, अग्रणी सैनिक द्वारा ले जाया गया था। हम जानते हैं कि यह निष्क्रिय है, जिसमें एजेंट अग्रणी सैनिक है और रोगी ध्वज है।

सच्चाई तो सबको पता है। यह भी एक तरह की बात है। हाँ, यह थोड़ा अस्पष्ट है।

हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं। अगर आप इस पर गौर करें तो हर कोई सच जानता है। आप इस संबंध में ऐसा कह सकते हैं।

यह एक निष्क्रिय निर्माण जैसा लग सकता है। यह उन मध्य-स्वर वाली चीजों में से एक भी हो सकता है। अगर हम कहें कि हर कोई सच जानता है, तो यह निश्चित रूप से व्याकरणिक और वैचारिक रूप से एक सक्रिय चीज होगी।

लेकिन इसमें ऐसा नहीं कहा गया है। इसलिए, यह मध्य और निष्क्रिय के बीच कहीं है। मछुआरों ने कल बहुत सारी मछलियाँ पकड़ीं।

और हम जानते हैं कि यह सक्रिय है। कागज को छोटे-छोटे टुकड़ों में फाड़ दिया गया था। यह एक तरह से निष्क्रिय है जिसमें एक पूर्ण पहलू जोड़ा गया है।

किसी ने कागज फाड़ दिया। कागज ने फाड़ा नहीं। इसलिए, क्योंकि यह विषय है जिसने कार्रवाई नहीं की, तो हम इसे निष्क्रिय मानेंगे।

निष्क्रिय निर्माण का उपयोग विभिन्न कारणों से किया जाता है। जिन चीजों के लिए वे इसका उपयोग करते हैं उनमें से एक है कार्रवाई प्राप्त करने वाले व्यक्ति पर ध्यान आकर्षित करना या ध्यान केंद्रित करना। यह जॉन था जिसने मार्ग प्राप्त किया था, या यह जॉन था जिसे पैकेज दिया गया था।

यह कहने के बजाय कि फलां व्यक्ति ने जॉन को पैकेज दिया, हम जॉन पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। कभी-कभी, जैसा कि हमने कहा, एजेंट का उल्लेख किया जाता है। अन्य बार, एजेंट को किसी न किसी कारण से छोड़ दिया जाता है।

कभी-कभी, एजेंट को इसलिए छोड़ दिया जाता है क्योंकि वे जाने-पहचाने नहीं होते। कभी-कभी, एजेंट को इसलिए छोड़ दिया जाता है क्योंकि वे जानबूझकर एजेंट से ध्यान हटाना चाहते हैं और अपनी पहचान छिपाए रखना चाहते हैं। यहाँ एक उदाहरण दिया गया है।

मेरी बाइक चोरी हो गई। अगर मुझे पता होता कि एजेंट कौन है, तो मैं उसके पीछे जाता। लेकिन मुझे नहीं पता।

हम कह सकते हैं कि मेरी बाइक चोरी हो गई। अगर हमें इसे दूसरे तरीके से कहना हो तो हम कहेंगे, किसी ने मेरी बाइक चुरा ली। दूसरी बार, जैसा कि मैंने कहा, पहचान छिपाने के लिए एजेंट का उल्लेख नहीं किया जाता है।

अगर बच्चे खेल रहे हैं और वे खिड़की तोड़ देते हैं, तो खिड़की किसने तोड़ी? बेसबॉल खेलने वाले सभी लड़के ठीक से जानते हैं कि खिड़की किसने तोड़ी, लेकिन वे अपने दोस्त को परेशानी में नहीं डालना चाहते। तो, वे क्या कहते हैं? हाँ, गेंद ने खिड़की तोड़ी, या यह टूट गई। यह किसने किया? हाँ, किसी तरह, किसी ने ऐसा किया।

मुझे एक कॉमिक स्ट्रिप याद है। यह एक परिवार के बारे में थी, और मिस्टर नोबॉडी हमेशा घर में होने वाली गड़बड़ियों को ठीक करता था। ठीक है, इसे किसने चुराया, या किसने तोड़ा, मिस्टर नोबॉडी? उस डिश को सोफे पर किसने छोड़ा? हाँ, मिस्टर नोबॉडी।

इसलिए कभी-कभी, लेखक जानबूझकर किसी न किसी कारण से उस पहचान को गुप्त रखेगा। निष्क्रिय निर्माण ग्रीक में वास्तव में आम हैं, और हम उन्हें पूरे नए नियम में पाते हैं। वे आम तौर पर हमारे पसंदीदा दोस्तों के साथ होते हैं जिनके बारे में हम अभी बात कर रहे थे, अमूर्त संज्ञाएं, कृदंत और जनरेटिव निर्माण।

इसलिए, व्याख्यात्मक चुनौती यह पहचानना है कि एजेंट कौन है और किस पर कार्रवाई की जा रही है। और जैसा कि हमने कहा, यह संचार में एक अंतर हो सकता है जिसे हम फिर खोजने की कोशिश करना चाहते हैं। एक बार जब हम इसे खोज लेते हैं, तो हम इसे पाठक के लिए स्पष्ट करना चाहते हैं ताकि हम इसे स्पष्ट कर सकें।

तो, फिर हम क्रिया की सक्रिय आवाज़ का उपयोग करके, क्रिया के सक्रिय रूप का उपयोग करके प्रतिभागियों के साथ स्पष्ट रूप से संवाद करने का प्रयास करते हैं। ठीक है। आने वाली कठिनाइयों में से एक यह है कि कुछ भाषाओं में निष्क्रिय क्रिया नहीं होती है।

उनके पास क्रिया की निष्क्रिय आवाज़ नहीं है। इस मामले में, आप कभी भी निष्क्रिय का उपयोग नहीं कर सकते। इस व्याख्यान और अन्य सभी का उद्देश्य यह नहीं है कि आपको यह इस तरह से करना है।

इसका उद्देश्य यह कहना है कि यदि आपको ऐसा करना है, तो इसे करने के तरीके के बारे में कुछ सुझाव यहां दिए गए हैं। ये सर्वोत्तम अभ्यास हैं जिनका हमने उपयोग किया है और जो बाइबल अनुवाद और अनुवाद मंडलियों में दुनिया भर में आम हैं। बाइबल अनुवाद में शामिल होने के अलावा, 2010 में अमेरिका वापस आने के बाद से, मैं धर्मनिरपेक्ष अनुवाद में शामिल रहा हूँ।

तो, कोई मुझे स्वाहिली में कुछ भेजेगा। वे कहते हैं, क्या आप कृपया इसका अंग्रेजी में अनुवाद करेंगे? और इसलिए मैं ऐसा करने में उन्हीं सभी सिद्धांतों का उपयोग करता हूँ। यह इस बात पर निर्भर करता है कि यह किस तरह का टेक्स्ट है। मेरे पास जन्म प्रमाण पत्र जैसी चीजें हैं, जो बिल्कुल कट और पेस्ट की जाती हैं।

यह यहाँ है, वह वहाँ है। मुझे अन्य चीज़ों का भी अनुवाद करना पड़ा है। मुझे मौखिक व्याख्या भी करनी पड़ी है, जहाँ मैं एक स्वाहिली वक्ता की ओर से वहाँ हूँ जो किसी तरह की स्थिति में है।

एक बार, मैं एक डॉक्टर के दफ़्तर में गया था क्योंकि मरीज़ पूर्वी अफ़्रीका से था, और उसे इतनी अच्छी अंग्रेज़ी नहीं आती थी कि वह समझ सके कि डॉक्टर उसे क्या बता रहा है। और इसलिए, अगर वह समझ नहीं पाता तो उसका इलाज कैसे होगा? और इसलिए मैं वहाँ मध्यस्थ के रूप में था। तो संचार के ये सभी सिद्धांत, चीज़ों को स्पष्ट करने के ये सभी सिद्धांत, उन्हें किसी दूसरे तरीके का उपयोग करने के बजाय सीधे तरीके से कहना जो शायद कम सीधा हो।

ये सभी बातें लागू होती हैं, चाहे मैं अनुवाद बोल रहा हूँ, चाहे मैं अनुवाद लिख रहा हूँ, या फिर यह धर्मनिरपेक्ष है, या फिर यह धर्मग्रंथ है। वहाँ बहुत सारी समानताएँ हैं। इस मामले में, जब किसी भाषा में निष्क्रिय क्रिया नहीं होती है तो आप क्या करते हैं? इस मामले में, ओरमा, जिस भाषा के साथ मैंने काम किया, उसमें निष्क्रिय क्रियाएँ नहीं हैं।

तो, आप क्या करते हैं? खैर, मैं आपको इसका एक उदाहरण देता हूँ कि यह कैसा दिखता है। तो, हमारे पास आदमी में वाक्य है, गोयो दानेन। लोगों ने गोयो को पीटा।

और हम जानते हैं कि लोग ही मार-पीट कर रहे हैं क्योंकि इसके अंत में *ni* लिखा है। यही वह चीज़ है जो हमें दिखाती है कि यह विषय है। यह विषय प्रत्यय है।

ठीक है? दूसरा. गोयोन गुरबा डेन। जिसका मतलब है गोयो वह है जिसने लड़के को पीटा।

गोयो ने लड़के को हराया। और फिर, हम यह जानते हैं क्योंकि NI गोयो के अंत में है। गोयो एक पुरुष का नाम है।

यहाँ हमारे पास गोयो दानेन है। पहले वाक्य में क्रिया रूप के समान समानता है, है न? क्या गोयो पर NI है? नहीं। तो यहाँ गोयो को पीटा जा रहा है।

गोयो मरीज है। विषय कौन है? विषय निर्दिष्ट नहीं है। यह कहने का औपचारिक तरीका है कि किसी ने गोयो को हराया।

तो वे, अनिश्चित, उल्लेख नहीं, संदर्भ के बाहर। तो, अगर आप कहते हैं, किसी ने साइकिल चुरा ली। वे तीसरे व्यक्ति बहुवचन का उपयोग करते हैं।

उन्होंने चोरी की, उन्होंने मारपीट की, यह संकेत देने के लिए कि यह किसी और ने किया है, और हम नहीं जानते कि यह कौन है। या, इसका उल्लेख नहीं किया गया है। तो ओर्मास ऐसा ही करते हैं।

और हम इसे छद्म-निष्क्रिय कहते हैं। यह निष्क्रिय की तरह काम करता है, लेकिन इसका रूप निष्क्रिय नहीं है, विशेष रूप से निष्क्रिय रूप। जैसा कि मैंने कहा, दानेनी पहले वाक्य और तीसरे वाक्य में एक ही है, जिसका अर्थ है कि यह एक सक्रिय क्रिया रूप है, लेकिन निर्माण का उपयोग निष्क्रिय तरीके से किया जाता है।

और इसलिए कभी-कभी मैं ओरमा में कुछ बातें कह सकता हूँ, जिसका उपयोग करके हम बाइबल के कुछ निष्क्रिय शब्दों को संप्रेषित कर सकते हैं। ठीक है। तो, शास्त्रों में निष्क्रिय शब्दों के कुछ उदाहरण क्या हैं जो हमें मिलते हैं? मार्क 1:14 यीशु 40 दिनों तक जंगल में रहा, शैतान द्वारा परीक्षा ली जा रही थी।

तो, क्रिया प्रलोभन का विषय कौन है? वह शैतान होगा। और इसलिए, वह 40 दिनों तक जंगल में रहा जब शैतान ने उसे लुभाया। अब, मूल पाठ से हमें जो बातें मिलती हैं, उनमें से एक, शैतान द्वारा लुभाया जाना, एक सतत बात लगती है।

यह कोई ऐसी बात नहीं थी जो एक समय में घटित हुई हो। वह जंगल में था क्योंकि शैतान उसे लुभा रहा था या शैतान ने उसे लुभाया था। किसी तरह, हमें यह बताने की ज़रूरत है कि हम अतीत के किसी खास बिंदु के बजाय एक स्थायी प्रकृति के हैं।

ग्रीक में - ing रूप का उपयोग किया जाता है, जबकि कृदंत का उपयोग किया जाता है। लेकिन हम इसे दूसरे तरीके से कहने की कोशिश कर सकते हैं। जब तक हम उस हिस्से को रखते हैं, तब तक एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि यह एक स्थायी क्रिया थी जो घटित हुई।

यह सिर्फ एक बार की बात नहीं थी, ऐसी छोटी-छोटी बातें, आप सोचते हैं, हे भगवान, कितने पादरियों ने इस पर उपदेश दिया है? शायद बहुत ज़्यादा नहीं। ऐसा करना ज़रूरी नहीं है।

हम बस इतना कहते हैं कि शैतान ने पूरे समय यीशु को लुभाया। बाइबल अनुवाद में हम जो कर सकते हैं, उसमें हम सीमित हैं क्योंकि हमारे पास हर आयत पर प्रवाहपूर्ण लिखित टिप्पणी नहीं है। ठीक है।

मार्क 13 : 9. आपको आराधनालयों में कोड़े मारे जाएँगे। वास्तव में, इससे पहले, यह कहा गया है कि वे आपको अदालत में ले जाएँगे, जो वास्तव में शाब्दिक वाक्य है इससे पहले कि आप यहाँ पहुँचें, और आपको आराधनालयों में कोड़े मारे जाएँगे। यह नहीं कहा गया है कि वे कौन हैं।

तो, एक अर्थ में, शायद यह ओरमा की तरह है जहाँ आप बस कहते हैं वे, और हम नहीं जानते कि यह कौन है। लेकिन यहाँ, आपको आराधनालयों में कोड़े मारे जाएँगे। कोई आपको कोड़े मारेगा।

और कौन तुम्हें कोड़े मारेगा? वे। और फिर किसी तरह अधिकारी या नेता या ऐसा ही कुछ लोग तुम्हें आराधनालयों में कोड़े मारेंगे। ठीक है।

वह क्यों बर्बाद हो गई? मार्क 14 में, उस महिला के बारे में जिसने यीशु के पैरों पर इत्र डाला, सक्रिय तरीके से कहा, उसने इस इत्र को क्यों बर्बाद किया? अब, हमें जो बातें याद रखने की ज़रूरत है, उनमें से एक यह है कि बाइबल और गैर-पश्चिमी संस्कृतियों में यह संस्कृति जहाँ सम्मान को बहुत महत्व दिया जाता है, और मैंने पिछली चर्चा में उल्लेख किया था, आप किसी को तब नहीं बुलाते जब वे आमने-सामने हों। क्या इसलिए इसे निष्क्रिय में इस्तेमाल किया गया है? शायद। हमें नहीं पता।

लेकिन महिला ने इसे तोड़ दिया। यह इत्र क्यों बर्बाद हुआ? ठीक है। अगली आयत कहती है कि इस इत्र को तीन सौ दीनार से ज़्यादा में बेचा जा सकता था, यानी आठ महीने की तनख्वाह। अगर आपको दीनार की चर्चा और पैसे दिए जाने की बात याद है, तो दो निष्क्रिय बेचे जा सकते थे, और पैसे दिए जा सकते थे। तो, अगर आप इसे बदलना चाहते थे, तो इसे कौन बेचता? खैर, सवाल पूछने वाला यहूदा था, और यहूदा शिष्यों के खजाने का रखवाला था, इसलिए शायद मैं इसे बेच सकता था, और मैं पैसे गरीबों को दे सकता था।

हम नहीं जानते। फिर से, यह कर्ता से निर्दिष्ट नहीं है, लेकिन किसी ने इसे बेचा होगा, और किसी ने दान किया होगा। हमने इत्र बेचा होगा और फिर पैसे गरीब लोगों को दे दिए होंगे।

इसे देने का एक तरीका हो सकता है, और हम लोगों को पैसे दे सकते थे। प्रेरितों के काम 4:11 वह पत्थर है जिसे तुम, राजमिस्त्रियों ने अस्वीकार कर दिया था, लेकिन मुख्य कोने का पत्थर बन गया। निष्क्रिय आवाज़ जिसे अस्वीकार कर दिया गया था और जो बोल रहा है वह कह रहा है कि आप, मेरे दर्शकों में, वे हैं जिन्होंने अस्वीकार कर दिया है, और आप वे भी हैं जो उद्धार-अनउद्धार निर्माता हैं।

और आप उद्धार-अनउद्धार निर्माता भी हैं। और इसलिए, वह कुछ रूपक सामग्री का उपयोग कर रहा है। पुराने नियम के उद्धार के साथ यहाँ अंतरपाठीयता चल रही है।

और यीशु ने खुद के इस कथन का इस्तेमाल किया, और अब शिष्य यीशु के बारे में बात करने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। तो यीशु वह पत्थर है जिसे तुम राजमिस्त्रियों ने अस्वीकार कर दिया। लेकिन वह मुख्य कोने का पत्थर बन गया है।

फिर से, यह एक तरह की निष्क्रिय चीज़ बन गई है। और संभवतः परमेश्वर ने उसे मुख्य कोने का पत्थर बनाया है। फिर से, मुख्य कोने का पत्थर और पत्थर बहुत ही प्रतीकात्मक हैं और बहुत हद तक, फिर से, पुराने नियम की ओर इशारा करते हैं।

वह किस बारे में बात कर रहा है? वह मंदिर बनाने की बात कर रहा है। और मंदिर के लिए आप आधारशिला रखते हैं। इमारत जिस तरह से काम करती है, वह यह है कि उनके पास यह पत्थर था, जो बिल्कुल चौकोर था।

बिल्कुल सही, ठीक है, आयताकार, अगर आप चाहें, या कुछ और। लेकिन इसके हर तरफ कोण बिल्कुल सीधे थे। और वे इसे पहले नीचे रख देते थे।

और आप ईंट की दीवार बना रहे हैं। और वे पहले उसे नीचे रखेंगे। और फिर, एक तरफ से दूसरी तरफ और ऊपर जाने वाली हर दीवार के लिए, उन्होंने सुनिश्चित किया कि उस बुनियादी आधारशिला के अनुसार सब कुछ बिल्कुल सीधा हो।

तो, वह मंदिर बनाने की बात कर रहा है। यही यहाँ भ्रम है। और मुख्य आधारशिला वह केंद्रीय पत्थर है।

और फिर बाकी तीनों कोने सीधे हो जाएँगे क्योंकि आपके पास पहला कोना बिल्कुल सीधा है। तो यहाँ यही कल्पना है। और यह सब इस छोटे से वाक्यांश में समाहित है, मुख्य आधारशिला।

तो फिर, इन सभी स्थितियों में हमें निष्क्रिय क्रियाओं के साथ क्या करने की ज़रूरत है, हमें मौखिक विचारों और जननात्मक निर्माणों के साथ क्या करने की ज़रूरत है, खासकर जब वे इस तरह एक साथ होते हैं, हमें वास्तव में याद रखने की ज़रूरत है कि आपके पास फुटनोट में कुछ जोड़ने की संभावना है। फुटनोट में इसे जोड़ने से लोगों की कुछ गलतफ़हमियाँ दूर हो सकती हैं। यह पुराने नियम के अंश का क्रॉस-रेफ़रेंस भी डाल सकता है।

यह प्रेरितों के काम में सुसमाचार के उन अंशों का संदर्भ दे सकता है जहाँ यीशु ने अपने बारे में बात की थी। फिर, आप समझा सकते हैं कि यीशु खुद के बारे में बात कर रहे हैं कि वे धर्म, यहूदी आस्था में मुख्य व्यक्ति हैं। तो यह सब यहीं समाहित है।

इसलिए हमें पैरा-टेक्स्टुअल जानकारी का उपयोग करना याद रखना चाहिए, अपने फुटनोट्स का उपयोग करना चाहिए, अपनी शब्दावली का उपयोग करना चाहिए, और जो कुछ भी हमें लोगों को जानकारी प्रदान करने के लिए उपयोग करने की आवश्यकता है, अगर उन्हें इसकी आवश्यकता है। अब, मैं यह कहना चाहता हूँ कि लोग कह सकते हैं, ठीक है, कोई भी फुटनोट्स नहीं पढ़ता है। ठीक है।

इसके अलावा यह एक बहुत ही सामान्यीकरण है। अगर ऐसा है, तो स्टडी बाइबल इतनी लोकप्रिय क्यों हैं? लोग फुटनोट इसलिए पढ़ते हैं क्योंकि वे जानना चाहते हैं, और वे बाहर जाकर कमेंट्री नहीं खरीद सकते। या शायद वे बाहर जाकर कमेंट्री खरीदना नहीं चाहते, और वे इसे पढ़ते समय बस कुछ मदद चाहते हैं।

ठीक है। तो, यह फुटनोट डालने के लिए एकदम सही जगह है। यह क्रॉस-रेफ़रेंस डालने के लिए एकदम सही जगह है।

ठीक है। ठीक है। प्रेरितों के काम 10:29, यही कारण है कि जब मुझे भेजा गया तो मैं बिना किसी आपत्ति के आया।

यह कॉर्नेलियस है जो पीटर को बुला रहा है, और पीटर जाने के लिए सहमत हो जाता है। पीटर कॉर्नेलियस और कॉर्नेलियस के साथ कमरे में मौजूद सभी लोगों से मिलता है, और कॉर्नेलियस अपने पूरे परिवार और दोस्तों और सभी लोगों के साथ पीटर के आने का इंतज़ार करता है ताकि पीटर उन्हें वह संदेश दे सके जो पीटर को दिया गया था। यहाँ निष्क्रिय शब्द है जब मुझे भेजा गया था। दूसरे शब्दों में, जब आपने मुझे बुलाया था।

और फिर अगला वाक्य है, मुझे बताओ कि तुमने मुझे क्यों बुलाया। तो, तुम्हें यह सब एक साथ प्रवाहित करना होगा। अगर हम कहें, तुमने मुझे बुलाया, तुमने मुझे बुलाया, तो क्या यह प्रवाहित होगा? मुझे नहीं पता।

लेकिन यहाँ विचार यह है कि जब यह निष्क्रिय है, तो क्या इसे निष्क्रिय होना चाहिए, या हमें इसे सक्रिय तरीके से कहना चाहिए? ठीक है। पॉल ने किसी को शाप दिया था, और वह गिर गया और मर गया, और यह कहा गया है कि उसे कीड़ों ने खा लिया और वह मर गया। कीड़ों द्वारा खाया जाना निष्क्रिय है।

मृत्यु स्पष्ट रूप से सक्रिय है। वह मर गया। पहले क्या हुआ? मेरा अनुमान है कि शायद वह पहले मर गया, और फिर उसके शरीर को कीड़ों ने खा लिया।

मुझे लगता है कि अगर आप उस समय के किसी यहूदी व्यक्ति से यह सवाल पूछें कि क्या उसे पहले कीड़ों ने खाया था या वह पहले मर गया था, तो वे शायद हाँ कहेंगे। मुझे नहीं पता कि इससे कोई फर्क पड़ता है या नहीं, लेकिन मेरे हिसाब से, इसका कोई मतलब नहीं है। वह मर गया, और कीड़ों ने उसका शरीर खा लिया।

इसे कहने का यह दूसरा तरीका हो सकता है। फिर से, ये सिर्फ सुझाव हैं, सोचने वाली बातें हैं, खासकर तब जब आप इसे किसी दूसरी भाषा में संप्रेषित करने की कोशिश कर रहे हों। यह बताने का एक तरीका है कि यह अच्छी तरह से संप्रेषित हुआ या नहीं, इसे लोगों को पढ़कर सुनाना और उनसे विषय-वस्तु के बारे में सवाल पूछना।

क्या आप मुझे अपने शब्दों में बता सकते हैं कि क्या हुआ? इस आदमी के साथ क्या हुआ? और अगर वे कहते हैं, ठीक है, कीड़ों ने उसे खा लिया, और कीड़ों ने उसे मार डाला। इसलिए, वह मर

गया। तब हम जानते हैं कि यह हमारी धारणा थी। अगर हम मार्क 9 को देखें, जो इस बारे में बात करता है कि ज्वाला कभी नहीं बुझती, और कीड़ा कभी नहीं मरता, तो यह धारणा बनती है कि लोग नरक की अनन्त आग में जल रहे हैं, साथ ही मरने के बाद कीड़े उन्हें खा रहे हैं।

इसलिए, हमारे पास इस बात का समर्थन है कि वह पहले मर गया। फिर से, मैं उस पहाड़ी पर मरने वाला नहीं हूँ। मैं इस बात पर ज़ोर नहीं दूँगा कि इसका मतलब बिल्कुल यही है, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें सोचना चाहिए।

और आप जिस भाषा में संवाद कर रहे हैं उसमें क्या सामान्य लगता है। ठीक है, एक और। प्रेरितों के काम 16, तीमुथियुस 16 :2 के बारे में बोलते हुए, और लुस्त्रा और इकुनियुम में रहने वाले भाइयों द्वारा उसके बारे में अच्छी बातें कही गईं।

निष्क्रिय शब्द है उसके बारे में अच्छी बातें कही गईं। इसे दूसरे तरीके से इस तरह से लिखा जा सकता है कि लुस्त्रा और इकुनियुम में रहने वाले भाइयों ने उसके बारे में अच्छी बातें कहीं। प्रेरितों के काम 22:1, उनके लिए भी मैंने भाइयों के लिए पत्र प्राप्त किए और दमिश्क के लिए रवाना हुआ ताकि जो लोग वहाँ थे उन्हें दण्डित करने के लिए यरूशलेम ले आऊँ।

बंध जाना निष्क्रिय है; दण्डित होना निष्क्रिय है। और ये ग्रीक से सीधे अनुवाद हैं। यह वास्तव में ग्रीक क्रिया निष्क्रिय है, बंध जाना और दण्डित होना।

आप अंग्रेजी अनुवाद पढ़ें, और वे शायद अलग-अलग बातें कहें। उनमें से एक कहता है, कैदियों के रूप में। ठीक है, दूसरा कहता है, बंधे हुए लोगों के लिए जंजीरों में।

ठीक है, क्या वे कैदी हैं? हाँ। क्या कैदी शब्द से यह पता चलता है कि वे बंधे हुए थे? शायद, शायद नहीं। अगर यह अमेरिका में है, तो वे शायद हथकड़ी में होंगे, जब तक कि वे बहुत अमीर न हों और उन्हें हथकड़ी में रहने की ज़रूरत न हो।

क्या वे धातु के बने थे? जंजीरों में जकड़े हुए, हम एक तरह से उछल रहे थे, एक तरह से छलांग लगा रहे थे। शायद वे बंधे हुए थे, शायद उनके हाथ रस्सी या चमड़े के पट्टे से बंधे हुए थे, या कौन जानता है कि और क्या था। मुद्दा यह है कि यह बंधे हुए कहता है, और यह एक निष्क्रिय है।

फिर हम इस पर कैसे काम करते हैं? हमारे पास कुछ चीजें हैं, और मैं दोहराना चाहता हूँ कि हम केवल इस परेशानी वाली चीज को नहीं देख रहे हैं जैसे कि निष्क्रिय या कुछ और। हम यह भी देख रहे हैं कि वाक्य में जानकारी में पूरा वाक्य कैसे प्रवाहित होता है और क्या कोई अन्य अंतराल है जो इनमें से एक नहीं है जिसकी हम श्रेणी में हैं, जो वास्तव में अच्छी तरह से संवाद नहीं करता है जिसे जानना अच्छा होगा। उदाहरण के लिए, उनसे प्राप्त पत्र।

अगर हम पिछली आयत को पढ़ें, तो वह यरूशलेम के मुख्य याजकों के बारे में बात करता है। हम जानते हैं कि उनका मतलब उन्हीं से है। यह ठीक है।

मैंने प्राप्त किया, मैं था, उन्होंने मुझे दिया। इसलिए, भाइयों के लिए प्राप्त करना एक सक्रिय क्रिया है।

यह किसको संदर्भित करता है? यह स्पष्ट नहीं है। और इसे दमिश्क से शुरू करें। ठीक है, तो भाई कौन हैं, और वे कहाँ हैं? याद रखें कि हमने क्या कहा था कौन, क्या, कहाँ, कब, क्यों, कैसे? भाई कौन हैं? कुछ संस्करणों में इसे यहूदी भाइयों के लिए स्पष्ट किया गया है।

कौन से यहूदी भाई? और अगर आप लेख पढ़ें, तो यह वास्तव में पॉल द्वारा अपने धर्म परिवर्तन की कहानी है। और इसलिए, अगर आप उस पर वापस जाएं, तो यह कहता है कि यरूशलेम में यहूदी मुख्य पुजारियों ने उस समय शाऊल को दमिश्क में यहूदी नेताओं को देने के लिए पत्र दिए थे। इसलिए, अगर हम प्रेरितों के काम की पूरी किताब को ध्यान में रखें, तो हमें यह मिलता है।

लेकिन अब पौलुस इसे संक्षिप्त रूप में कह रहा है, और वह जानकारी छोड़ देता है। और जब आप इसे देखते हैं, तो यहूदी भाइयों को जानना वास्तव में मददगार होगा। और वे यहूदी भाई कहाँ थे? दमिश्क में यहूदी भाई।

लेकिन यह सब अलग-अलग तरीके से कहा जाता है। तो हम इन सभी अलग-अलग सूचनाओं को कैसे खोलकर अलग-अलग कर सकते हैं और उन्हें कैसे सुचारू और प्रवाहपूर्ण बना सकते हैं? यहाँ एक संभावना है। उनसे, यानी पुजारियों से, मुझे दमिश्क में यहूदी भाइयों के लिए भी पत्र मिले और मैंने उन्हें बाँधने के लिए वहाँ से, यानी दमिश्क से शुरुआत की।

आप उन्हें यरूशलेम लाने से पहले उन्हें बाँधते हैं। जो लोग वहाँ थे, यानी जो यीशु का अनुसरण करते थे, उन्हें बाँधकर यरूशलेम ले आओ और फिर उन्हें दण्डित करने के लिए अधिकारियों द्वारा दण्डित किया जाए। फिर से, हम एक ऐसा तरीका निकालने की कोशिश कर रहे हैं जो सहज, स्पष्ट हो, जो स्वाभाविक और सामान्य लगे, वह तरीका हो जिससे हम आम तौर पर अंग्रेजी में बात करते हैं, और जो समझने योग्य भी हो।

और इसलिए, इनमें से कुछ बातों को स्पष्ट करने में, हम फिर से, पाठ में कुछ भी ऐसा नहीं जोड़ रहे हैं जो पहले से मौजूद नहीं है। कुछ ऐसा जो अंतर्निहित है, वह वास्तव में पाठ में है। बस इसका उल्लेख नहीं किया गया है, और इसलिए हमें इसकी भरपाई करने की आवश्यकता है।

ठीक है, तो हमने किस प्रक्रिया पर विचार किया? क्रिया की पहचान करें और प्रतिभागियों की पहचान करें। हम निष्क्रिय क्रिया का उपयोग करके नहीं, बल्कि सक्रिय क्रिया का उपयोग करके वाक्य को फिर से दोहराते हैं, और हम प्रतिभागियों को स्पष्ट करते हैं। तो हम पूछ सकते हैं, सक्रिय रूप का उपयोग क्यों करें? अगर यह निष्क्रिय है और दोनों भाषाओं में निष्क्रिय है तो हम इसे निष्क्रिय क्यों नहीं रखते? यह निश्चित रूप से एक विकल्प है। हमें प्रतिभागियों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करने की आवश्यकता क्यों है? यह ऐसा मामला नहीं है कि ऐसा करना ज़रूरी है; यह इस बात का मामला है कि कौन सा सबसे अच्छा काम करता है।

क्या होगा यदि लक्ष्य भाषा में निष्क्रिय क्रियाएँ हैं, और क्या उनका उपयोग किया जाता है? खैर, हम निष्क्रिय क्रियाओं के बजाय सक्रिय क्रियाओं का उपयोग क्यों करते हैं, इसका एक कारण

यह है कि अच्छे लेखन में सक्रिय आवाज़ को प्राथमिकता दी जाती है, यहाँ तक कि हमारी भाषा अंग्रेजी में भी। और इसलिए, यदि आप कॉलेज में टर्म पेपर लिखते हैं और आपका प्रोफेसर कहता है, बस इसे सीधे कहें, और इसे सक्रिय आवाज़ में कहें। इसलिए, मुझे लगता है कि सक्रिय आवाज़ और सक्रिय क्रियाएँ भी हमारे बोलने के तरीके से मेल खाती हैं।

हम निष्क्रिय रूप में ज़्यादा बात नहीं करते, लेकिन लेखन में यह निश्चित रूप से एक पसंदीदा तरीका है। दूसरी बात, सक्रिय आवाज़ ज़्यादा स्पष्ट होती है और ज़्यादा मज़बूत या ज़्यादा शक्तिशाली, ज़्यादा प्रभावशाली हो सकती है। ये सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं और सख्त नियम नहीं हैं।

लक्ष्य भाषा में सक्रिय आवाज़ के अधिक सामान्य होने की उम्मीद की जा सकती है। अगर हम अंग्रेजी में ऐसा करते हैं, तो शायद यह अन्य भाषाओं में भी ऐसा ही हो। अगर ऐसा करने से पाठ अधिक समझ में आएगा, तो प्रतिभागियों को स्पष्ट रूप से बताएं।

यहाँ तक कि वह छोटा सा वाक्य भी, जिस पर हमने अभी चर्चा की, जिसमें शाऊल दमिश्क जा रहा था, वास्तव में मैं, मैं उन चीज़ों में से कुछ को स्पष्ट करके और शब्दों के क्रम को समायोजित करके इसे बेहतर तरीके से ट्रैक करने में सक्षम था। कभी-कभी, हम खंडों के क्रम को बदल देते हैं, या हम वाक्य में बाद में आने वाले एक खंड को वाक्य के आगे रख देते हैं ताकि हम चीज़ों को बदल सकें। तो, हम कह सकते हैं, मैं घर चला गया क्योंकि मुझे भूख लगी थी, या आप कह सकते हैं, मुझे भूख लगी थी, इसलिए मैं घर चला गया।

तो, आप चीज़ों को बदल सकते हैं, और इससे अर्थ नहीं बदलता; यह सिर्फ व्याकरण को समायोजित करना है। कुछ मायनों में, यह एक व्यक्तिगत पसंद है जिसे अनुवादक चुन सकता है। कभी-कभी, यह बेहतर तरीका होता है कि अनुवादक और उस समूह के अन्य लोग कहें, हाँ, यह वास्तव में बेहतर लगता है।

और हम धर्मग्रंथों का अनुवाद करते हैं ताकि उन्हें ज़ोर से पढ़ा जा सके। इसलिए, हम इसे ज़ोर से पढ़ते हैं। जब मैं सलाहकार होता हूँ तो मुझे जो काम करना पसंद होता है, वह है किसी और के अनुवाद की जाँच करना, हम जाते हैं, और हम किसी विशेष अंश पर काम करते हैं।

हम ये सभी समायोजन करते हैं, और हम तीन या चार छंद एक साथ करेंगे। एक बार जब हम सभी समायोजन कर लेते हैं, तो आपको चरण दर चरण आगे बढ़ना होता है। कभी-कभी, आप छंद तीन में किसी चीज़ से तब तक नहीं निपट सकते जब तक कि आप छंद एक और दो में चीज़ों से निपट न लें। फिर, पूरी चीज़ को एक साथ प्रवाहित होना चाहिए; जानकारी प्रवाहित होनी चाहिए, और सभी व्याकरणिक संबंध होने चाहिए।

और फिर मैं कहूँगा, क्या कोई कृपया इसे ज़ोर से पढ़ सकता है? फिर, वह व्यक्ति इसे ज़ोर से पढ़ता है। और फिर मैं श्रोताओं से पूछूँगा, आपके कानों को यह कैसा लगा? आपको यह कैसा लगा? क्या यह मधुर लग रहा था? फिर, मैं पाठक से पूछूँगा कि इसे ज़ोर से पढ़कर कैसा लगा। यह आपकी जुबान से कैसे निकला? और यहीं से हमें यह सुंदर पाठ मिलता है, एक सहज पाठ, एक सुसंगत पाठ जो एक साथ चिपक जाता है। और यह पूरी तरह से समझ में आता है।

और आप विचार की धारा का अनुसरण कर सकते हैं। इसलिए, हम उन सभी बातों को ध्यान में रखते हैं। इसलिए इस पूरी श्रृंखला में हम जिस बारे में बात कर रहे हैं, वह एक महत्वपूर्ण बिंदु है कि हम कैसे निर्णय लेते हैं। क्या हम अपने लक्ष्य तक पहुँचे?

कभी-कभी आप इसे स्पष्ट नहीं करते हैं यदि लेखक किसी कारण से व्यक्ति की पहचान गुप्त रखना चाहता है। यदि हम इसे स्पष्ट करते हैं, तो हम, मैं यह नहीं कहना चाहता कि हम नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन हम इसे उस तरह से प्रभावित कर रहे हैं जैसा कि लेखक ने इरादा नहीं किया था। इसलिए कभी-कभी हम पाठ में बदलाव नहीं करते हैं।

हम इसे वैसे ही छोड़ देते हैं जैसे यह है। उदाहरण के लिए, जब यीशु ने शिष्यों से कहा कि जब उन्होंने 5,000 लोगों को खाना खिलाया, तो वे नाव पर चढ़ गए, और जब वे नाव पर थे, तो यीशु ने उनसे कहा, फरीसियों के खमीर से सावधान रहो। इसलिए, अगर हम कहें, तो ज़्यादातर लोग इसे नहीं समझेंगे।

फरीसियों का खमीर, खमीर फरीसियों की भाषा का एक अलंकार है, है न? और इसलिए, इसका मतलब है फरीसियों का प्रभाव। बढ़िया, हम इस पर सहमत हैं। फिर हम कहते हैं, आइए अनुवाद में इसे स्पष्ट करें क्योंकि इससे यह स्पष्ट हो जाएगा।

तो, यह इस तरह से सुनाई देगा। फरीसियों के प्रभाव से सावधान रहें। अगली आयत में, शिष्य भ्रमित हो गए क्योंकि उन्होंने सोचा कि वह रोटी के बारे में बात कर रहा था।

हमने अलंकार हटा दिया। हमने खमीर की ज्वलंत कल्पना को हटा दिया। ऐसा करने से, हमने इस संभावना को हटा दिया कि वे रोटी के बारे में उनके कथन को गलत समझेंगे।

और इसलिए, हम इसे वहाँ रखते हैं क्योंकि यीशु रहस्यमय होना चाहते थे। यीशु इसे इस तरह से कहना चाहते थे कि खमीर और रोटी की कल्पना का उपयोग किया जाए। और शिष्यों ने, भगवान उन्हें आशीर्वाद दें, कहा, वह इसलिए नाराज़ है क्योंकि हमने रोटी छोड़ दी।

अगर वे छवि को नहीं समझते हैं तो यह पूरी बात एक साथ जुड़ जाती है। इसलिए कभी-कभी, हम चीजों को स्पष्ट नहीं करते हैं। हम रूपकों और अन्य आलंकारिक छवियों को छोड़ देते हैं क्योंकि इसका उद्देश्य ऐसा ही होना था।

और हम यह नहीं कह सकते कि अगर हर बार कोई ऐसी छवि है जो समझ में नहीं आती है, तो हमें उसे हटा देना चाहिए। यह एक शिक्षण बिंदु भी हो सकता है। और यही मैं सोचता हूँ कि हम, ईसाई होने के नाते, अपने पूरे जीवन में बाइबल को अपनी भाषा में रखने से, बाइबल में कुछ ऐसी चीज़ों के आदी हो जाते हैं जो फिर आदर्श बन जाती हैं।

ज़रा सोचिए कि बाइबल में कितनी सारी बातें हमारी संस्कृति के लोगों की आम भाषा हैं। इसलिए, इन अलग-अलग अभिव्यक्तियों को सीखने वाले लोगों के लिए कुछ कहा जाना चाहिए, इसे कहने का एक अलग तरीका सीखना चाहिए, भले ही यह उस तरह न हो जैसा कि औसत व्यक्ति इसे कहने के बारे में सोचता है। यह अभी भी अधिक मानक और अधिक सामान्य हो जाता है।

इसलिए जिन संस्कृतियों के लिए हम अनुवाद कर रहे हैं, वहाँ के लोग इन शब्दों के अभ्यस्त हो सकते हैं और उन संस्कृतियों में कुछ हद तक आदर्श बन सकते हैं। क्या आपको रोमियों 1:1 से 7 में निष्क्रिय निर्माण और अन्य चीज़ों पर पिछले व्याख्यानों में से एक का हमारा अंश याद है? मैं दो कारणों से उन्हें फिर से देखना चाहता था। एक यह है कि ये निष्क्रिय निर्माण हैं। हम पूरे अंश के संदर्भ में, कई वाक्यों के संदर्भ में, और वे एक साथ कैसे जुड़े हुए हैं, इनसे कैसे निपटते हैं? हम पूरी बात नहीं बताने जा रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसे तोड़ने के बाद इसका अनुवाद कैसे किया जाए, इस पर कुछ उदाहरण देना मददगार हो सकता है।

तो, सबसे पहले, पौलुस, यीशु मसीह का एक दास, जिसे प्रेरित के रूप में बुलाया गया है, परमेश्वर के सुसमाचार के लिए अलग रखा गया है। तो, अगर हम प्रत्येक मौखिक क्रिया, मौखिक अवधारणा और दास को देखें, तो एक सेवक वह है जो सेवा करता है। तो, पौलुस यीशु मसीह, मसीह यीशु की सेवा करता है।

प्रेरित के रूप में बुलाया जाना, यह एक निष्क्रिय शब्द है। किसने बुलाया? पॉल को किसने बुलाया? संभवतः यीशु, यीशु या भगवान। एक प्रेरित के रूप में, प्रेरित एक मौखिक संज्ञा है, जिसे भेजा गया था।

पॉल को किसने भेजा? यीशु ने भेजा। और अगर हम पॉल के जीवन के बारे में पढ़ें, तो वह जहाँ भी गया, उसने कहा कि आत्मा ने हमें यहाँ तक पहुँचाया, आत्मा ने हमें वहाँ जाने से रोका। अलग रखना वास्तव में पवित्र करने की क्रिया है, अद्वितीय के रूप में अलग रखना।

किसने किसको अलग किया? यीशु ने पॉल को अलग किया। और फिर यह परमेश्वर के सुसमाचार के लिए कहता है, और यही अलग होने का कारण है, और परमेश्वर का सुसमाचार, परमेश्वर का सुसमाचार परमेश्वर के बारे में सुसमाचार है, परमेश्वर के बारे में जानकारी है, जिसका प्रचार पॉल करने जा रहा है, लेकिन वह हिस्सा जो मुझे बताना चाहिए वह किसी तरह वहाँ छिपा हुआ है और इसे अलग होने और बुलाए जाने और भेजे जाने के कारण के रूप में निहित किया गया है। तो यहाँ एक विकल्प है।

मैं, पॉल, कभी-कभी आपको संस्कृति के आधार पर ऐसा करने की ज़रूरत होती है, किसी व्यक्ति का अपने नाम से पत्र शुरू करना वाकई अजीब लगता है, पॉल। पॉल, वह व्यक्ति जिसे आप लोग जानते हैं, वह आपको पत्र लिख रहा है, नहीं, हम इस तरह से बात नहीं करते। ठीक है, तो कभी-कभी आपको। जोड़ने की ज़रूरत होती है। मसीह यीशु की सेवा कौन करता है? मैं, पॉल, जो मसीह यीशु की सेवा करता है।

मैं, जिसे उसने बुलाया और भेजा, जिसे उसने अलग रखा। तो फिर से, हम उन्हें अभी भी ये सापेक्ष खंड बना रहे हैं, यह कोई मुख्य बात नहीं है और यह कहते हुए कि, उसने मुझे बुलाया, और उसने मुझे भेजा, और उसने मुझे अलग रखा। अगर हम ये बातें कहते, तो शायद ये ठीक होतीं, लेकिन हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ध्यान इस बात पर हो कि पॉल यह वर्णन कर रहा है कि उसके साथ क्या हुआ और यीशु के साथ उसका रिश्ता क्या था।

तो, यहाँ थोड़ी सी स्वतंत्रता है, लेकिन विचार यह है कि हमें चिंतन करने और यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि वह कौन था जिसने पॉल को बुलाया, किसने उसे विशिष्ट कार्य करने के लिए भेजा, और किसने उसे अलग रखा। और यीशु ने उसे अलग क्यों रखा? तो, वह जिसे उसने मेरे लिए परमेश्वर के सुसमाचार को फैलाने के लिए अलग रखा, या ताकि मैं परमेश्वर के सुसमाचार को फैला सकूँ। वहाँ वह सब है, जिसके लिए वह छिपी हुई जानकारी है जो मेरे बाहर जाकर सुसमाचार का प्रचार करने के कारण निहित है।

सुसमाचार फैलाओ, सुसमाचार का प्रचार करो। ठीक है, छंद छह और सात में एक और। आप भी यीशु मसीह का बुलावा हैं।

यीशु मसीह द्वारा बुलाया जाना एक निष्क्रिय और एक जननात्मक निर्माण दोनों है। आप भी वे हैं जिन्हें मसीह यीशु ने बुलाया है। फिर से, हम यह कहने के बजाय कि यीशु ने आपको बुलाया है, उनका उल्लेख कर रहे हैं, और यह उनका वर्णन कर रहा है, और इसलिए हम रोम में परमेश्वर के सभी प्रियजनों के लिए उन लोगों का उपयोग करते हैं।

तो, यह सातवीं आयत में पॉल है, जब वह इन सभी छह बातों में से एक को पढ़ता है। अब वह कहता है, ये मेरे पत्र के पते हैं। पॉल, तुमने ऐसा क्यों नहीं कहा? मुझे लगता है कि पॉल को इन पत्रों को भेजने से पहले किसी अनुवाद सलाहकार या संपादक या किसी और से अपने काम की जाँच करवानी चाहिए थी।

ठीक है, तो यह उनके पत्र की विषय-वस्तु में जाने से पहले एक तरह से संक्षेप है। मैं रोम में आप सभी को लिख रहा हूँ, या लिख रहा हूँ, जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, जिन्हें परमेश्वर प्यार करता है। मैं रोम में आप सभी को लिख रहा हूँ, जिन्हें परमेश्वर प्यार करता है।

इस समस्या से निपटने का एक और तरीका है। और मैं बस यह दोहराना चाहता हूँ कि ये कठिन श्लोक हैं। इसमें बहुत कुछ है।

अगर लोग इसे बहुत जल्दी-जल्दी पढ़ेंगे तो बहुत कुछ छूट सकता है। या इस कठिन भाषा या व्याकरण को नहीं समझ पाएंगे। और मैं ग्रीक भाषा की ओर लौटते हुए दोहराना चाहता हूँ कि, ग्रीक ही वह चीज़ है जिसे हमें यह समझने के लिए जानना चाहिए।

दरअसल, ग्रीक भाषा ही समस्या है। तो बस याद रखें कि हमारे अनुवाद में पैराटेक्स्टुअल स्पेस है, चाहे फुटनोट्स में हो, सेक्शन हेडिंग्स में हो, स्टडी गाइड्स में हो या किताब के परिचय में हो। शब्दावलियों के बारे में क्या? और फिर हमारे पास, मैंने इसे यहाँ नहीं रखा, लेकिन हमारे पास बाइबल के बाहर, शास्त्रों से जुड़ी सभी अतिरिक्त सामग्री भी है जो हमारी मदद करती है।

इसलिए, अनुवाद करने वाले लोगों को यह ध्यान में रखना चाहिए कि इस पाठ को समझने के लिए हमारे लोगों को और क्या चाहिए। इसलिए पैराटेक्स्टुअल सामग्री लिखी और अनुवादित की जानी चाहिए ताकि यह लोगों की मदद कर सके। और ये सभी अन्य अतिरिक्त चीज़ें जिनके बारे में हमने पिछले संदेश में बात की थी, उन पर जानबूझकर विचार किया जा सकता है, योजना बनाई जा सकती है, लिखा जा सकता है कि यह किसके लिए है, और यह सब, और फिर वास्तव

में उस शास्त्र की भाषा में तैयार किया जा सकता है जिसका अनुवाद किया जा रहा है। तो, यह सब एक साथ जुड़ता है , और विशेष रूप से इन कठिन अवधारणाओं, कठिन संज्ञाओं और बाकी सभी के साथ, लोगों को मदद की ज़रूरत है।

और हम क्या चाहते हैं? प्रभावी संचार। इसलिए, हम ऐसा करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। धन्यवाद।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन और बाइबल अनुवाद पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 23, निष्क्रिय निर्माण है।